18 / 06 / 74 की अव्यक्त वाणी

पर आधारित योग अनुभूति

लाइट हाउस और माइट हाउस बन,
नई दुनिया के मेकर बनने का अनुभव

➢➢ नई दुनिया की मेकर बनने के लिए मैं आत्मा चेकर बन अपनी चेकिंग करती हूँ... की क्या मैं आत्मा लाइट स्वरुप और माइट स्वरुप बनी हूँ...?

➳ _ ➳ जिस आत्मा को जिस शक्ति की जरूरत हो क्या मैं आत्मा उस शक्ति का दान कर सकती हूँ...?

→ अगर किसी आत्मा को सहन करने की शक्ति की आवश्यकता हो और मैं आत्मा उसे समाने की शक्ति या परखने की शक्ति का दान तो नहीं कर देती...?

→ मैं आत्मा हर एक शक्ति की चेकिंग कर रही हूँ...

■ हर एक शक्ति का स्टॉक मेरे पास है की नहीं...?

➳ _ ➳ मैं आत्मा स्वयं को लाइट और माइट से भरने पहुँच जाती हूँ लाइट और माइट के दाता के पास... मधुबन में

➢➢ मैं आत्मा मधुबन में शांति स्तम्भ के सामने बैठ शांति के सागर से योग लगाती हूँ...

➳ _ ➳ एकाएक शांति स्तम्भ की चमक बढ़ जाती है... बापदादा दोनों हाथों को फैलाए मुस्कुराते हुए खड़े हैं...

→ बापदादा के दोनों हाथों से लाइट की किरणें निकल रही हैं...

→ बाबा से निकल रही लाइट की किरणें मुझ आत्मा पर पड़ रही हैं...

→ मुझ आत्मा के एक-एक अंग में लाइट की किरणें समा रही है...

■ मुझ आत्मा का एक-एक अंग लाइट का होता जा रहा है...

➳ _ ➳ सर्व शक्तियों के सागर सर्व शक्तियां मुझमें भर रहे हैं...

→ मैं आत्मा सर्व शक्तियों से सम्पन्न अनुभव कर रही हूँ...

■ मुझ आत्मा का सम्पूर्ण शरीर लाइट और माइट से भर गया है...

→ मैं आत्मा लाइट स्वरुप और माइट स्वरुप बन रही हूँ...

■ मैं आत्मा सर्वगुण सम्पन्न, सोलह कला सम्पूर्ण बन रही हूँ...

➢➢ मैं आत्मा लाइट हाउस और माइट हाउस बनने का अनुभव कर रही हूँ...

➳ _ ➳ अब मैं आत्मा बाप समान महादानी, वरदानी बन पूरे विश्व में लाइट और माइट की किरणें फैला रही हूँ...

→ मैं आत्मा सर्व शक्तियों के स्टॉक से सदा भरपूर रहती हूँ...

→ जिस आत्मा को जिस शक्ति की जरूरत है उसे उस शक्ति का दान कर रही हूँ...

■ जिस शक्ति की प्यासी आत्मा मेरे सामने आती है मैं आत्मा उसे उस शक्ति को देकर उसकी प्यास बुझा रही हूँ...

➳ _ ➳ मैं आत्मा अपने लाइट से पूरे विश्व को जगमगा रही हूँ...

→ मैं आत्मा अपनी ज्योति से विश्व की आत्माओं की बुझी हुई ज्योति को जगा रही हूँ...

➳ _ ➳ मैं आत्मा सदा सर्व शक्तियों के स्टॉक को चेक करते रहती हूँ...

→ जिस भी शक्ति की कमी हो तो उसको याद की यात्रा में बैठ फिर से भरते जाती हूँ...

➳ _ ➳ मैं आत्मा सदा सर्व कमजोरियों को चेक कर चेंज कर रही हूँ... और स्वयं को सदा भरपूर रखती हूँ...

→ कभी भी आलस्य और अलबेलापन में आकर मैं आत्मा किसी भी शक्ति की कमी नहीं होने देती हूँ...

➳ _ ➳ मैं आत्मा विश्व कल्याणी बन सर्व का कल्याण कर रही हूँ...

→ स्वयं के और औरों के पुराने स्वभाव-संस्कारों को चेंज कर रही हूँ...

➳ _ ➳ मैं आत्मा इस पुरानी दुनिया का काया-कल्प कर नई दुनिया की मेकर बन रही हूँ...

→ मैं रूहानी लाइट हाउस बन भटकते हुए रूहों को राह दिखा रही हूँ... रूहानी ठिकाने का पता दे रही हूँ...

■ दुखी, तडपती, प्यासी आत्माओं की प्यास बुझाकर उनको तृप्त कर रही हूँ...

■ मैं आत्मा बाप से ब्लेस्सिंग्स लेकर सर्व को बाप के ब्लेस्सिंग्स की पात्र बना रही हूँ...

➳ _ ➳ मैं आत्मा अपने दिव्य गुणों की खुशबू पूरे वायुमंडल में फैलाकर पूरे विश्व को दिव्यता से भर रही हूँ...

→ सभी आत्माओं और प्रकृति के पाँचों तत्वों को मैं आत्मा सतोप्रधान बनाकर नई सतोप्रधान दुनिया की स्थापना कर रही हूँ...